# आत्म जागरण की आधारशिला बनेगा 'नवजागरण की एक शाम'-मीणा

## आस्था के ज्वार में रेनूकूट में बहा भावनाओं का सैलाब

रेनूकूट (वाराणसी)। विश्व परिवर्तन की प्रक्रिया मनुष्य के वश के बात नहीं। इसके लिए ईश्वरीय शक्ति का ही कार्य है। ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आयोजित किया गया नवजागरण की एक शाम कार्यक्रम से ही आत्मजागरण का मार्ग प्रशस्त होगा। उक्त उदगार उत्तर प्रदेश के श्रमायुक्त सीताराम मीणा ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज वाराणसी परिक्षेत्र द्वारा रेनूकूट में पहली बार आयोजित किये गये नवजागरण की एक शाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के हैसियत से सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि केवल आध्यात्मिक शक्ति द्व्ज्ञरा ही वश्वि में सकरात्मक परिवर्तन लाना सम्भव है। यह कार्य किसी भी अन्य शक्ति द्वारा सम्भव नहीं है। आत्मिक ज्ञान और स्वयं की पहचान से ही अनेकता को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने नववर्ष पर सभी रेनूकुट वासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह आने वाले अच्दे समय का संकेत है। कार्यक्रम में उमड़े विशाल जनसमूह से अपनी कमाजोरियों को त्यागने की अपील की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन का अनुभव सुनाते हुए कहा कि राजयोग की शिक्षा मनुष्य के दैनिक दिनचर्या को आसान बना देती है। इसलिए हर एक को राजयोग और ध्यान को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए।

हिण्डाल्को इण्डस्ट्रीज के ज्वाइंट प्रेसिडेण्ट अरूण कुमार ने कहा कि बहुत लम्बे समय से इस औद्योगिक नगरी में ऐसे कार्यक्रम की आवश्यकता थी। जो जाकर अब पूरा हुई है। समय प्रति समय ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों के जीवन में सदभाव पैदा होता है। इस कार्यक्रम के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था धन्यवाद की पात्र। उन्होंने आयोजकों से आगे भी कार्यक्रम करते रहने की अपील की।

वाराणसी सबजोन की निदेशिका ब्रह्माकुमारी सुरेन्द्र ने राजयोग की व्याख्या करते हुए कहा कि राजयोग की विद्या से मन और तन दोनो में संतुलन का विकास होता है। आज समाज में बढ़ रही कुरीतियों को मिटाने का एक ही तरीका है कि अन्तर्मन को ज्ञान से रोशन किया जाये। इसके पश्चात उन्होंने विशाल जनसमूह को कुछ क्षणों के ईश्वरीय अनुभूति करायी। पश्चिम नेपाल से आयी वाराणसी परिक्षेत्र की सह-निदेशिका ब्रह्माकुमारी परिणीता ने कहा कि तनाव आज मनुष्य के जीवन का अंग हो गया है, जबकि सुख शान्ति मनुष्य के जीवन का अंग होना चाहिए। तनाव की जड़ हम स्वयं है। यदि हम सकारात्म चिंतन की प्रक्रिया को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल कर ले तो तनाव उससे कोसों दूर हो जायेगा।

नेपाल से आयी ब्र. कु. दुर्गा विस्तार से राजयोग से सम्बन्धों में मधुरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सम्बन्धों की समरसता से शान्ति एवं विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। वाराणसी सब जोन के मीडिया प्रभारी ब्र. कु. दीपेन्द्र कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वाग करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से जीवन में स्वर्णिम प्रभात का उदय होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हिण्डाल्को के अध्यक्ष अरूण कुमार ने शुभकामनायें दी, उपाध्यक्ष प्रभात चतुर्वेदी तथा अल्मूना मेन्टीनेन्स के उपमहापब्रन्धक तेज बहादुर माथुर की उपस्थिति में विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उदघाटन किया गया।

इससे पूर्व 151 कलश धारी बहनों से सुसज्जित परमात्मा शिव की आकर्षक रैली निकाली गयी। इस रैली का समाजसेवियें, पत्रकारों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। लिम्का बुक ऑफ अवार्ड का खिताब अर्जित कर चुकी भीलवाड़ा की प्रिया पाटनी 151 मटकों के नृत्य से भाव-विभोर कर दिया। मुम्बई से आयी सुप्रसिद्ध गायिका प्रियंका सिंह ने जब स्वरों के जादू से सबको भावविभोर कर दिया। वहीं रेनूकूट सेवाकेन्द्र की प्रभारी ब्र. कु. सरोज धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन वाराणसी के ब्र. कु. विपिन ने किया।

कैप्सन: कार्यक्रम का दीप जलाकर उदघाटन करते उत्तर प्रदेश के श्रमायुक्त सीताराम मीणा, हिण्डाल्कों के अध्यक्ष अरूण, ज्वाइंट प्रेसिडेण्ट एच. आर. विजय सपरा, अल्मूना प्लान्ट हिण्डाल्को के उपाध्यक्ष तेज बहादूर माथुर, वाराणसी सब जोन की निदेशिका ब्र. कु. सुरेन्द्र, ब्र. कु. परिणीता तथा अन्य।

कैप्सन: कार्यक्रम के दौरान मंचासीन उत्तर प्रदेश के श्रमायुक्त सीताराम मीणा, हिण्डाल्कों के अध्यक्ष अरूण, ज्वाइंट प्रेसिडेण्ट एच. आर. विजय सपरा, अल्मूना प्लान्ट हिण्डाल्को के उपाध्यक्ष तेज बहादूर माथुर, वाराणसी सब जोन की निदेशिका ब्र. कु. सुरेन्द्र, ब्र. कु. परिणीता, ब्र. कु. दीपेन्द्र तथा अन्य।

कैप्सन: लक्ष्मी नारायण की सजी सुन्दर झांकी तथा रैली में उमड़ा जनसमूह।